हिन्दुस्तान
लखनऊ LIVE
सोमवार , 22 अप्रैल 2019
www.livehindustan.com

युवा

एसईई-2019 में छात्रों को गणित ने परेशान किया, फिजिक्स और कैमिस्ट्री आसान रहे

सिटी

यूपी प्रेस क्लब में मुशायरे का आयोजन किया गया, श्रोताओं ने लिया लुत्फ

सिटी स्पोर्ट्स

कैट स्पोर्टिंग को हरा एएमसी ने फाइनल मुकाबला अपने नाम किया

किसी ने रोपे हजारों पौधे तो कोई बना पक्षी प्रहरी

कह रही है धरती हमसे, सुन लो उसकी पुकार...बड़े महलों को बना कर मत डालो मुझ पर भार... इस विषय को जीवन का आधार बना राजधानी के कई लोग पर्यावरण के लिए जी जान से जुटे हैं। शहर के ऐसे पर्यावरण सारथियों पर पेश है **श्रेया पाठक** की रिपोर्ट:

जागरूकता मुहिम

पहला सोलर पैनल लगाया

डॉ भरत सिंह ने 1995 से पर्यावरण स्वच्छ रखने की कमान थामी। उन्होंने शहर में 2015 में सबसे पहले सोलर पैनल अपनी छत पर लगवाया। पर्यावरण के प्रति लगाव शुरू से था पर जब प्रदूषण पर एक रिपोर्ट बनाई तो कई कारण समझ आए। उन्होंने काम शुरू किया, 2005 में ग्लोबल वार्मिंग और क्लाईमेट चेंज पर तीन किताबें प्रकाशित कीं। एक लाख लोगों को जोड़ दस बिंदुओं पर काम किया।

पौधरोपण

वृक्षमित्रों से फैला रहे हरियाली

अनूप गुप्ता ने 2013 में काम शुरू किया। धरती को हरा भरा करने के लिए 3000 पौधे लगाए। लोग उनसे जुड़ते गए। उन्होंने बताया कि शहर भर में 200 से ज्यादा वृक्षामित्र तैयार किए और 5000 से 6000 पौधों को रोपा। नजर रखने के लिए सर्वे किया जिसमें पता चला कि सभी लगाए गए पेड़ वृक्षामित्रों के कारण फल फूल रहे है और कई जगहों का तापमान पहले के मुकाबले कम हुआ है।

अस्तित्व कैंपेन

पक्षियों के लिए बढ़ाए मदद के हाथ

आशीष मिश्रा पिछले सात साल से पक्षियों के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अस्तित्व कैंपेनिंग के तहत उनकी संस्था स्कूलों, कॉलेजों और दफ्तरों में जाकर मिट्टी के सिकोरे और दाना पानी भी दे रही है।

सीमित क्षेत्र में घनी आबादी से मुश्किलें

डॉ. भरतराज सिंह

वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. भरतराज सिंह ने कहा जिस तरह किसी 100 वर्ग फुट के कमरे में 100 लोगों को खड़ा कर दिया जाए तो कुछ देर में दम घुटने लगेगा। उसी तरह सीमित क्षेत्र में बढ़ती आबादी भी दम घुटने जैसे हालात पैदा कर देगी। लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगेगी। यही हाल पानी का होगा। उस क्षेत्र में जमीन के नीचे उपब्ध पानी के लगातार दोहन से एक दिन वह समाप्त होने की स्थिति में पहुंच जाएगा।